

बाघों का अंतर-राज्यीय स्थानांतरण

स्रोत: टाइम्स ऑफ इंडिया

हाल ही में मध्य प्रदेश सरकार ने संरक्षण उद्देश्यों के लिये 15 बाघों को मध्य प्रदेश से राजस्थान, छत्तीसगढ़ एवं ओडिशा में स्थानांतरित करने का निर्देश दिया है।

- इन बाघों को मध्य प्रदेश के **बांधवगढ़, पेंच और कान्हा टाइगर रज़िर्व** से स्थानांतरित किया जाएगा।
- **राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA)** के अनुमोदन के बाद कुल 12 बाघों एवं 3 बाघों को स्थानांतरित किया जाएगा।
 - स्थानांतरण योजना में छत्तीसगढ़ के लिये छह बाघनि एवं दो बाघ, राजस्थान के लिये चार बाघनि एवं ओडिशा के लिये एक बाघ तथा दो बाघनि शामिल हैं।
- NTCA की वर्ष 2022 की रिपोर्ट के अनुसार भारत में बाघों की सबसे अधिक संख्या मध्य प्रदेश (जहाँ 785 बाघ हैं) में है।
 - राज्य में नौ टाइगर रज़िर्व हैं जिनमें शिवपुरी ज़िले में नव अधिसूचित **माधव टाइगर रज़िर्व** भी शामिल है।
- स्थानांतरण की रणनीति के तहत बाघों की आबादी में आनुवंशिक विविधता को बढ़ाना शामिल है। इसके लिये अलग-अलग समूहों में नए बाघों को शामिल किया जाता है, जिससे अंतःप्रजनन के जोखिम में कमी आने के साथ प्रजातियों के दीर्घकालिक अस्तित्व को बनाए रखने में मदद मिलती है।
 - इका उद्देश्य मौजूदा बाघ आबादी की **आनुवंशिक विविधता** को बढ़ाना है।

बाघ

रॉयल बंगाल टाइगर (Panthera Tigris) भारत का राष्ट्रीय पशु है।

बाघ की उप प्रजातियाँ

- * महाद्वीपीय (पैंथेरा टाइग्रिस टाइग्रिस)
- * सुंडा (पैंथेरा टाइग्रिस सोंडाइका)

प्राकृतिक अधिवास

उष्णकटिबंधीय वर्षावन,
सदाबहार वन,
समशीतोष्ण वन, मैंग्रोव
दलदल, घास के
मैदान और सवाना



देश जहाँ बाघ पाए जाते हैं

- 13 बाघ रेंज देश जहाँ यह प्राकृतिक रूप से पाए जाते हैं उनमें- भारत, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, म्याँमार, रूस, चीन, थाईलैंड, मलेशिया, इंडोनेशिया, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम शामिल हैं।
- IUCN की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम में बाघ विलुप्त हो गए हैं।

संरक्षण की स्थिति

- IUCN रेड लिस्ट: लुप्तप्राय
- CITES: परिशिष्ट-I
- WPA 1972: अनुसूची-I

खतरे

- आवास विखंडन
- अवैध शिकार
- मानव-वन्यजीव संघर्ष

संरक्षण संबंधी प्रयास

- इंटरनेशनल बिग कैट्स एलायंस (IBCA): बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, चीता, जैगुआर और प्यूमा नामक सात बड़ी बिल्लियों के संरक्षण के लिये (भारत द्वारा शुरू)
- Tx2 अभियान: WWF द्वारा आरंभ किया गया; 2022 तक बाघों की आबादी को दोगुना करने के लक्ष्य को इंगित करते हुए 'टाइगर टाइम्स 2' को संदर्भित करता था
- राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA): WPA, 1972 के तहत गठित
- प्रोजेक्ट टाइगर: 1973 में लॉन्च किया गया
- बाघों की गणना: प्रत्येक 5 वर्ष में

भारत में बाघ

- भारत में इनकी संख्या सबसे अधिक है
 - वर्ष 2022 तक, भारत में बाघों की संख्या 3167 थी
 - मध्य भारतीय उच्च भूमि और पूर्वी घाट में इनकी सबसे बड़ी आबादी पाई गई है
- टाइगर रिजर्व: भारत में अब 53 टाइगर रिजर्व हैं
 - नवीनतम टाइगर रिजर्व उत्तर प्रदेश का रानीपुर है
 - नागार्जुन सागर (आंध्र प्रदेश) सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व है जबकि ओरंग (असम) सबसे छोटा (कोर क्षेत्र) है।



//

और पढ़ें: [आनुवंशिक विविधता के लिये बाघों का स्थानांतरण](#)

